जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

08 अप्रैल 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग' पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग ने क्षेत्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (आरआरएससी) - उत्तर भारत, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भारत सरकार के सहयोग से स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 'डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग' पर 01-04 अप्रैल, 2024 के दौरान चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 1 अप्रैल, 2024 को जेएमआई के भूगोल विभाग, जीआईएस प्रयोगशाला में आयोजित किया गया। जामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर इकबाल हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक, क्षेत्रीय केंद्र, एनआरएससी, हैदराबाद, इसरो और डॉ. समीर सरन, डीजीएम, आरआरएससी-उत्तर, दिल्ली विशिष्ट अतिथि थे। जामिया के विज्ञान संकाय के डीन प्रो. तबरेज़ आलम ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

जामिया के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हारून सज्जाद ने उद्घाटन कार्यक्रम में सभी प्रतिष्ठित अतिथियों, अधिकारियों, प्रतिनिधियों, संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रोफेसर सज्जाद ने विकसित भारत अभियान के एक भाग के रूप में प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। डॉ सज्जाद ने कहा कि युवा भूगोलवेत्ता उन्नत भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए संसाधनों के प्रबंधन और समाज की समस्याओं के समाधान के तरीके खोजने में मदद कर सकते हैं और विकसित भारत का नेतृत्व कर सकते हैं। इस अवसर पर, एनआरएससी, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित 'क्विक रेफरेंस गाइड फॉर डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग' नामक पुस्तक का गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विमोचन किया गया।

कार्यशाला की समन्वयक प्रोफेसर लुबना सिद्दीकी ने चार दिवसीय कार्यशाला के दौरान स्नातकोत्तर छात्रों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दायरे और तकनीकी विवरणों पर प्रकाश डाला।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. इकबाल हुसैन ने एमए के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भूगोल विभाग, जेएमआई और आरआरएससी-उत्तर, दिल्ली के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नवीनतम तकनीक ने शोधकर्ताओं को सटीक विश्लेषण तक पहुंचने के लिए उपग्रह छवियों, हवाई तस्वीरों और डिजिटल डेटा के अन्य रूपों को संसाधित करने में सक्षम बनाया है। डॉ. हुसैन ने जटिल स्थानिक घटनाओं को समझने, उपयुक्त संरक्षण प्रयास करने और अंतर्दृष्टि प्रदान करने में रिमोट सेंसिंग तकनीक की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जो सूचित निर्णय लेने और नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने सहयोगात्मक डीआईपी प्रशिक्षण कार्यक्रम की इस पहल को शुरू करने के लिए जामिया के कुलपति, प्रोफेसर इकबाल हुसैन और भूगोल विभाग, जेएमआई के अध्यक्ष प्रोफेसर हारून सज्जाद को धन्यवाद दिया। उन्होंने संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के अनुप्रयोगों से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में

हुई प्रगति और भुवन पोर्टल पर डेटा की पहुंच से भी अवगत कराया। डॉ. श्रीवास्तव ने वैज्ञानिकों की टीम (आरआरएससी, नई दिल्ली से डॉ. समीर सरन, सुश्री खुशबू मिर्जा, डॉ. नीतू, डॉ. प्रभजोत कौर, श्री आकाश गोयल, श्री जयंत सिंघल, डॉ. विनोद शर्मा और श्री अनुराग मिश्रा) की सराहना की। कार्यशाला के दौरान संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं।

अन्य विशिष्ट अतिथि, आरआरएससी-उत्तर के डीजीएम, डॉ. समीर सरन ने भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में प्रगति के बारे में बात की और अनुसंधान और विकास में एक साथ काम करने के लिए जेएमआई और आरआरएससी-उत्तर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की संभावना की जानकारी दी।

विज्ञान संकाय के डीन प्रो. तबरेज़ आलम ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा साझा किए गए विचारों की सराहना की और ज्ञापन हस्ताक्षर के लिए अपनी हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

कार्यशाला के सह-समन्वयक डॉ. हसन रज़ा नकवी ने उद्घाटन समारोह को सफल बनाने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों, आरआरएससी, नई दिल्ली के वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, विद्वानों और छात्रों को औपचारिक धन्यवाद दिया। एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री अतीक नवाज़ और सुश्री राहिला इलाही ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया।

डीआईपी प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह आरआरएससी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-उत्तर, नई दिल्ली, सुश्री खुशबू मिर्जा और आरआरएससी, नई दिल्ली के अन्य वैज्ञानिक, प्रोफेसर हारून सज्जाद, विभागाध्यक्ष के साथ भूगोल विभाग के प्रोफेसर मसूद अहसान सिद्दीकी, प्रोफेसर लुबना सिद्दीकी (समन्वयक) और डॉ. हसन राजा नकवी (सह-समन्वयक) और भूगोल विभाग, जेएमआई के 30 स्नातकोत्तर छात्रों ने समापन समारोह में भाग लिया। सभी विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। छात्रों ने जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शहरी प्रबंधन और डेटा-संचालित नीति निर्माण के क्षेत्रों में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों से संबंधित उभरते कौशल और अनुप्रयोगों को सीखने के लिए बहुत उत्साह और संतुष्टि व्यक्त की। सुश्री खुशबू मिर्जा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आरआरएससी-उत्तर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया